

सामूहिक विवाह में सजी सामाजिक समरसता, सैकड़ों जोड़े पवित्र बंधन में बंधे

- सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को मिली रफ्तार
- करोड़ों के विकास कार्य की सौगात
- लोकार्पण और भूमिपूजन के साथ बदली उज्जैन की तस्वीर

उज्जैन. अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती के पावन संयोग पर उज्जैन में आस्था, विकास और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आगमन के साथ शहर में जहां एक ओर धार्मिक भावनाएं गुंजती रहीं, वहीं दूसरी ओर सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को नई गति देते हुए विकास,

निर्माण और जनकल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्यों को शुरुआत और लोकार्पण हुआ.

महाकाल की नगरी उज्जैन पहुंचने पर हेलिपैड पर आत्मीय स्वागत के बीच दिन की शुरुआत शुभकामनाओं से हुई, जहां प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और उन्नति की कामना की गई. इसके बाद सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हेलिपैड विश्राम गृह का लोकार्पण किया गया. यह विश्राम गृह आगामी सिंहस्थ में आने वाले अतिथियों, जनप्रतिनिधियों और श्रद्धालुओं के लिए उपयोगी साबित होगा, जिसमें



बैठक, संवाद और विश्राम की समुचित व्यवस्था तैयार की गई है. ग्रीन सिंहस्थ, क्लोन सिंहस्थ इसी क्रम में शहर को हरित और स्वच्छ बनाने की दिशा में ग्रीन सिंहस्थ, क्लोन सिंहस्थ अभियान के तहत लगभग 2 करोड़ लागत की

बैठरी संचालित अर्थ वर्क मशीन नगर निगम को सौंपी गई. यह मशीन निर्माण कार्यों और साफ-सफाई व्यवस्था को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाएगी, जिससे सिंहस्थ की तैयारियों को तकनीकी मजबूती मिलेगी.



58 करोड़ की सौगात अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर उज्जैन को लगभग 58 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात भी मिली, जिनमें विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इसमें हरसिद्धि से रामघाट मार्ग चौड़ीकरण, महाकाल

लोक में श्रद्धालुओं के लिए श्रेष्ठ निर्माण, नीलगंगा और सोलह सागर का पुनर्जीवन, कालिदास उद्यान का आधुनिकीकरण, क्रिकम कोर्तिस परिसर का संरक्षण और संग्रहालय के उन्नयन जैसे कार्य शामिल हैं. ये सभी परियोजनाएं न केवल शहर की

आधारभूत संरचना को सशक्त करेंगी, बल्कि सिंहस्थ 2028 में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक और आध्यात्मिक अनुभव भी सुनिश्चित करेंगी.

135 जोड़े विवाह में बंधे- आखातीज का दिन का सबसे भावनात्मक और सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण पहलू सामूहिक विवाह समारोह रहा, जहां हार्मूखेड़ी और कार्तिक मेला मैदान में आयोजित कार्यक्रमों में कुल 135 से अधिक जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे. नवदंपतियों को आशीर्वाद, उपहार और आवश्यक सामग्री प्रदान की गई, वहीं कई कन्याओं को दोपहिया वाहन भी भेंट किए गए.

जय परशुराम के जयकारे...

सीएम ने कहा आज अक्षय तृतीया का पावन अवसर है. अक्षय तृतीया पर किए गए किसी भी शुभ कार्य का फल अक्षय होता है. आज का यह दिन सभी नव-विवाहित जोड़ों के लिए अत्यंत शुभ और मंगलकारी सिद्ध हो. साथ ही मंच से मुख्यमंत्री ने जय परशुराम के जयकारे लगाए. कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज, विधायक अनिल जैन काठुहेड, सतीश मालवीय, महंत रामेश्वर दास, महंत रामदास महाराज, महंत बालकनाथ महाराज, बालकृष्ण दास महाराज, रवि सोलंकी, नरेश शर्मा, ऋगुमुक्तेश्वर महादेव मंदिर के गौदापति महावीर नाथ महाराज, नारायण यादव, कल्याण यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे.

परशुराम और श्रीकृष्ण लोक से जानापाव को मिलेगी राष्ट्रीय पहचान: सीएम

- जानापाव तीर्थ क्षेत्र में गंभीर और अजनार नदी को किया जायगा पुनर्जीवित
- मुख्यमंत्री ने भगवान परशुराम की जन्म-स्थली पर की पूजा-अर्चना

नवभारत न्यूज इंदौर. भगवान परशुराम की जन्म-स्थली जानापाव में 17.41 करोड़ की लागत से परशुराम-श्रीकृष्ण लोक विकसित किया जायेगा, जो भगवान परशुराम और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने वाला एक प्रमुख आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन का केन्द्र बनेगा. इस लोक के माध्यम से जानापाव को राष्ट्रीय स्तर पर एक

विशिष्ट पहचान मिलेगी. यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही. मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को भगवान परशुराम जयंती के पावन अवसर पर इंदौर जिले के जानापाव में आयोजित 'परशुराम प्रकटोत्सव' को संबोधित कर रहे थे. मुख्यमंत्री ने भगवान परशुराम मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश को समृद्धि और खुशहाली की कामना की और महाभारतकालीन अस्त्र-शस्त्रों और चक्रव्यूह की कला पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया. मुख्यमंत्री ने सनातन परंपरा, आध्यात्मिक चेतना और विकासोन्मुख दृष्टि का समन्वित संदेश देते हुए कहा कि भगवान परशुराम का जीवन आस्था, श्रद्धा और धर्म की स्थापना के लिए समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है. उन्होंने कहा



कि हर युग में अधर्म के विरुद्ध खड़े होकर परशुराम जी ने धर्म की

पुनर्स्थापना की और शस्त्र तथा शास्त्र दोनों में पारंगत रहकर संतुलित शक्ति का परिचय दिया.

नदी पुनर्जीवित करने की कार्ययोजना बनाए-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जानापाव क्षेत्र से 7 से अधिक नदियों का उद्गम हुआ है, जिनमें प्रमुख रूप से चंबल, गंभीर, अजनार, चोरल शामिल हैं. उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गंभीर और अजनार नदी को पुनर्जीवित करने की कार्य-योजना बनाने के निर्देश दिये. उन्होंने कहा कि नदियां धरती माता की धमनियों के समान हैं. उनका संरक्षण, पुनर्जीवन और सतत प्रवाह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है. नदियों के जीवित होने से हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित होगी.

भव्य संग्रहालय भी बनेगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जानापाव में प्रस्तावित लोक में पौराणिक महत्व को दर्शाने वाला एक भव्य संग्रहालय बनाया जाएगा, जिसमें शस्त्र दीर्घा, उत्पत्ति दीर्घा, स्वरूप दीर्घा, संतुलन दीर्घा और ध्यान दीर्घा के माध्यम से भगवान परशुराम और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के विविध आयामों को प्रस्तुत किया जाएगा परिसर में दोनों भगवानों की कांक्ष्य प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी, 30 फीट ऊंचा भव्य प्रवेश द्वार निर्मित होगा,

प्रदेश में कहीं लू का अलर्ट कहीं बारिश के आसार

06 जिलों में बारिश की आशंका
44 डिग्री रतलाम का तापमान

जो इस सीजन का अब तक का सबसे ज्यादा है. इसके अलावा उमरिया (43.8 डिग्री), मंडला (43.2 डिग्री), खजुराहो (42.9 डिग्री), गुना (42.8 डिग्री), दतिया (42.6 डिग्री) और दमोह-नौगांव (42.5 डिग्री) भी तेज गर्मी की चपेट में रहे. बड़े शहरों में ग्वालियर 41.9 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा, जबकि भोपाल में 41.4 डिग्री, जबलपुर में 41.7 डिग्री, इंदौर में 40.4 डिग्री और उज्जैन में 40.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया.

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अप्रैल और मई सामान्यतः सबसे गर्म महीने होते हैं, लेकिन इस बार सक्रिय मौसम प्रणालियों के कारण तापमान में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है. अप्रैल में दूसरी बार बारिश के आसार बन रहे हैं, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है.

दोपहर की धूप से बचें

हालांकि, तेज गर्मी के बीच सतर्कता बेहद जरूरी है. विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि लोग अधिक पानी पिएं, दोपहर की धूप से बचें, हल्के और सूती कपड़े पहनें तथा बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें. बदलते मौसम के इस दौर में सावधानी ही बचाव का सबसे बेहतर उपाय है.

किसान की मौत पर सियासी घमासान

विशेष संवाददाता भोपाल, 19 अप्रैल. विदिशा जिले की शमशाबाद तहसील के सांगूल गांव में एक किसान की मौत के बाद प्रदेश की सियासत गरमा गई है. मध्य प्रदेश कांग्रेस ने इस घटना को आत्महत्या नहीं, बल्कि "प्रशासनिक हत्या" करार देते हुए राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है.

प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रवक्ता राहुल राज ने आरोप लगाया कि किसान कलू जाट को राजस्व अधिकारियों की मिलीभगत का शिकार होना पड़ा. उन्होंने कहा कि किसान की छह बीघा जमीन को कथित रूप से रिकॉर्ड में घटाकर आधा बीघा कर दिया गया, जिसके चलते वह लंबे



पीडित परिवार को मुआवजा देने की मांग

समय तक न्याय के लिए भटकता रहा, लेकिन प्रशासन से उसे कोई राहत नहीं मिली. राहुल राज ने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित पटवारी के

कांग्रेस ने दोषी अधिकारियों के तत्काल निलंबन, न्यायिक जांच और पीडित परिवार को मुआवजा व एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है. पार्टी ने चेतावनी दी है कि मांगें नहीं मानी गईं तो प्रदेशभर में आंदोलन किया जाएगा.

खिलाफ पूर्व में की गई शिकायतों पर राजनीतिक संरक्षण के चलते कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिससे उसकी मनमानी बढ़ती गई. उन्होंने कृषि और राजस्व व्यवस्था में खामियों जैसे फसल रिकॉर्ड में गड़बड़ी, भुगतान में देरी और खरीदी प्रक्रियाओं में अव्यवस्था को भी इस घटना के लिए जिम्मेदार बताया.



परियोजना क्षेत्र में कोयला लोड्डेड वाहन पलटा

सिंगरौली. जिले की एनसीएल निगाही परियोजना में एक बार फिर सुरक्षा मानकों को अनदेखी सामने आई है. कार्टे के पास कोयला लोड एक भारी वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया और कुछ देर तक कामकाज बाधित रहा. गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि की खबर नहीं है, लेकिन घटना ने प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

उपार्जन केन्द्रों पर यूपी का गेहूं खपाने का आरोप

भिण्ड, 19 अप्रैल. मध्यप्रदेश में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी प्रक्रिया को लेकर पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने भिण्ड जिले के लहार और रौन क्षेत्र में मध्य-यूपी सिंडिकेट के जरिए करोड़ों रुपये के घोटाले का आरोप लगाया है. उन्होंने खाद्य अधिकारियों और भाजपा नेताओं की सांठगांठ को जिम्मेदार बताया है. कांग्रेस नेता डॉ. सिंह ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में गेहूं की बाजार कीमत करीब 2100 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि मध्यप्रदेश में जोनस सहित 2625 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहा है. इस अंतर का



फायदा उठाकर यूपी का सस्ता गेहूं फर्जी पंजीयन के जरिए एमपी के उपार्जन केन्द्रों पर खपाया जा रहा है, जिससे प्रति क्विंटल 500 रुपये से अधिक का नुकसान सरकार को हो रहा है. उन्होंने दावा किया कि लहार क्षेत्र के उपार्जन केन्द्रों पर खरीदी शुरू होने से पहले ही 4 से 5 हजार क्विंटल गेहूं भरा मिला. किसानों के स्टॉक बुक होने से पहले ही नागरिक आपूर्ति निगम का बारदानी माफियाओं तक पहुंचा दिया गया.



भाजपा नेताओं ने किया आक्रोश मार्च की तैयारियों का अवलोकन

भोपाल. भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने नारी शक्ति वंदन विधेयक गिरने के विरोध में एमवीएम ग्राउंड, भोपाल में सोमवार 20 अप्रैल को आयोजित होने वाले आक्रोश मार्च की तैयारियों का अवलोकन रविवार को किया. इस अवसर पर प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री विश्वास केलाश सागर, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरुआ, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, पूर्व मंत्री, प्रदेश प्रवक्ता व विधायकमती अर्चना चिटनीस, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांपूर्ण एवं प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अंशुल तिवारी सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे.

ओरछा और चंदेरी के लिए हेलीकॉप्टर सेवा प्रारंभ पर्यटन और धार्मिक यात्राओं को सुगम, सुरक्षित बनाना हेली पर्यटन सेवा का उद्देश्य

भोपाल, 19 अप्रैल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ओरछा में राजा के रूप में विराजमान भगवान श्रीराम के दर्शन के लिए पीएमश्री हेली सेवा के रूप में ओरछा के लिए पुष्पक विमान की व्यवस्था की गई है. परशुराम जयंती के मंगल अवसर पर पर्यटन की दिशा में आज मध्यप्रदेश ऐतिहासिक कदम बढ़ा रहा है.

उन्होंने कहा कि भोपाल-ओरछा और चंदेरी सेक्टर के लिए पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा का शुभारंभ हो रहा है. आज जिन दो नगरों के लिए सेवा



को शुरुआत की गई है, दोनों ही प्रदेश के विरासत स्थल हैं. चंदेरी का संबंध भी श्रीराम और श्रीकृष्ण से ही है. चंदेरी, पौराणिक, आध्यात्मिक,

ऐतिहासिक और पर्यटन नगरी के रूप में विख्यात है. मध्यप्रदेश में तेजी से बढ़ रहे एविएशन सेक्टर से महाराष्ट्र सहित कई राज्य प्रेरणा ले

रहे हैं. मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को राजधानी के स्टेट हंगर से पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा के

अंतर्गत नए सेक्टर भोपाल-चंदेरी ओरछा का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे.

राजनीति गंभीर विषयों से भटकाने के लिए महिला आरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दों को बार-बार उठाया जा रहा

महिला आरक्षण लागू करने में देरी पर पटवारी चिंतित

विशेष संवाददाता भोपाल, 19 अप्रैल. मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने महिला आरक्षण को लेकर हाल के राष्ट्रीय घटनाक्रम के मद्देनजर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश की जनता अब केवल भाषण नहीं, बल्कि ठोस जवाब चाहती है. मीडिया से बातचीत में पटवारी ने कहा कि महिला आरक्षण के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दलों में व्यापक सहमति है, लेकिन केंद्र सरकार इसे राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है. उन्होंने

बताया कि वर्ष 2023 में सर्वसम्मति से पारित 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' अब तक लागू नहीं किया गया है, जबकि हाल में जारी अधिसूचनाओं के बाद इसे तुरंत लागू किया जा सकता था. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी ने आरोप लगाया कि सरकार महिला आरक्षण को परिसीमन प्रक्रिया से जोड़कर अपने राजनीतिक हित साधना चाहती है. उनका कहना था कि इस तरीके से मनमाने बदलाव की गुंजाइश बनती है और जातिगत जनगणना की मांग को टालने का प्रयास किया जा रहा है, जो

को परिसीमन प्रक्रिया से जोड़कर अपने राजनीतिक हित साधना चाहती है. उनका कहना था कि इस तरीके से मनमाने बदलाव की गुंजाइश बनती है और जातिगत जनगणना की मांग को टालने का प्रयास किया जा रहा है, जो

महंगाई, बेरोजगारी का सरकार से जवाब मांगा इसके साथ ही पटवारी ने रुपये में गिरावट, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और कमजोर होती विदेश नीति जैसे मुद्दों पर भी सरकार से जवाब मांगा. उन्होंने कहा कि इन गंभीर विषयों से ध्यान भटकाने के लिए महिला आरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दों को बार-बार उठाया जा रहा है. उन्होंने सरकार से मांग की कि मौजूदा संसदीय ढांचे में ही महिला आरक्षण लागू किया जाए और इसमें आबीसी वर्ग की महिलाओं को भी समुचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए.

पारदर्शिता और लोकतांत्रिक जवाबदेही के लिए चलाता का विषय है. महिला आरक्षण विधेयक को लेकर हाल के राष्ट्रीय घटनाक्रम के परिप्रेक्ष्य में उन्होंने दोहराया कि

कांग्रेस और पूरा विपक्ष महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के पक्ष में पूरी तरह प्रतिबद्ध है, लेकिन संविधान के मूल सिद्धांतों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा.

पेज एक का शेष

टीएमसी ने बंगाल की बहनों को धोखा दिया: पीएम मोदी

मोदी ने यह सुनिश्चित किया. हम चाहते थे कि इसे 2029 से लागू किया जाए, लेकिन टीएमसी नहीं चाहती थी कि बंगाल की बेटियां ज्यादा संख्या में एमएलए और एमपी बनें क्योंकि बंगाल की बेटियां इनके महा जंगलराज को चुनौती दे रही हैं. इसलिए टीएमसी ने कांग्रेस के साथ मिलकर साजिश रची, ताकि यह बिल पारित न हो पाए.

पश्चिम बंगाल में पीएम ने झालमूड़ी खाई: पीएम मोदी रविवार को पश्चिम बंगाल के दौरे पर थे. झाड़ग्राम में उन्होंने रेली की. इस दौरान रास्ते में वह एक दुकान पर रुके और झालमूड़ी खाई. झालमूड़ी बनाते हुए दुकानदार ने पूछा कि आप क्या खाते हैं. पीएम ने जवाब दिया- हां क्या खाता हूं बस दिमाग नहीं. यह सुनकर दुकानदार

हंसने लगा. पीएम ने दुकानदार से इस मूलाकात का करीब 40 सेकेंड का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया. साथ ही कुछ तस्वीरें भी शेयर कीं. पीएम ने राष्ट्र के नाम ममता बनर्जी ने पीएम मोदी पर राजनीतिक प्रहार के लिए सरकारी मशीनरी का 'गलत इस्तेमाल' करने का आरोप लगाया.

भाजपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा वर्मा ने कहा कि देश की महिलाएं 70 साल से अपने अधिकार की लड़ाई लड़ रही हैं. संसद और राज्य की विधानसभाओं में देश की आधी आबादी को 33 प्रतिशत आरक्षण उनका अधिकार है. आजादी के बाद करीब 50 सालों तक देश में शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी ने महिलाओं को कभी उनका अधिकार दिलाने के लिए प्रयास नहीं किया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम लाकर देश की आधी आबादी

को उनका अधिकार दिलाने का प्रयास किया, लेकिन कांग्रेस फिर विरोध में उतर आई. ये रहे मौजूद: पत्रकार-वार्ता के दौरान मध्यप्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री निर्मला भुरिया, प्रदेश शासन की राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर, पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता, पूर्व मंत्री व विधायक अर्चना चिटनीस, सांसद माया नारौलिया, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांपूर्ण एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उपा अग्रवाल मवासीन रहे.

को उनका अधिकार दिलाने का प्रयास किया, लेकिन कांग्रेस फिर विरोध में उतर आई. ये रहे मौजूद: पत्रकार-वार्ता के दौरान मध्यप्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री निर्मला भुरिया, प्रदेश शासन की राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर, पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता, पूर्व मंत्री व विधायक अर्चना चिटनीस, सांसद माया नारौलिया, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांपूर्ण एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उपा अग्रवाल मवासीन रहे.